श्रीसीतारामचन्द्राभ्यां नमः

।। श्रीमते रामानन्दाचार्याय नमः ।।

काठियापरिवाराचार्य, ब्रह्मपीठाधीश्वर
स्वामी श्री नारायण दास
डाकोर एवं त्रिवेणीधाम

त्रिवेणीधाम, पो. साईवाड़
वाया-शाहपुरा, जिला-जयपुर
(राजस्थान)

आशीर्वाद

श्री हनुमानजी महाराज के विद्वान उपासक चि. कैलाश चन्द्र शर्मा ने "**श्री हनुमान चरित मानस**" की रचना कर के हनुमान जी के बहुआयामी चरित्रों का इस ग्रन्थ के छः अध्यायों में जो विवरण दिया है वह अत्यन्त सराहनीय एवं हनुमान जी की भक्ति एवं उपासना को हृदय में जाग्रत करने वाला है।

ग्रन्थ में हनुमान जी के जीवन से जुड़े अनेकों ऐसे प्रसंगों एवं तथ्यों को उद्घाटित किया गया हैं जो भक्तों को अभी तक अवगत ही नहीं थे। कलियुग में ऐसी रचना रचयिता की केवल हनुमत उपासना का ही परिचायक नहीं है अपितु रचयिता की प्रतिभा एवं उस पर श्री हनुमान जी महाराज की असीम कृपा का भी प्रमाण है। यह रचना पाठकों को हनुमान जी की भक्ति द्वारा कल्याण के मार्ग पर अग्रसर होने के लिये सोपान का काम करेगी।

ग्रन्थ के रचयिता के लिए मेरा आशीर्वाद एवं मंगल कामना।

नारायणदास त्रिवेणीधाम

(महन्त श्री नारायण दास जी महाराज)
त्रिवेणीधाम शाहपुरा,
जयपुर